

प्रश्नक

सी० भास्कर,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

प्रबन्ध निदेशक,  
उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लि०,  
देहरादून।

कर्जा अनुभाग-2,

देहरादून: दिनांक: 20 सितम्बर, 2007

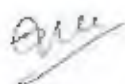
विषय:-

वित्तीय वर्ष 2007-08 में जल विद्युत परियोजना अस्सी गंगा-प्रथम, द्वितीय, जुम्मागाड़ एवं दुनाव के निर्माण हेतु उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लि० को अंशपूँजी में विनियोजन।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लि० के पत्र संख्या 543/UJVNL/P-F&A, दिनांक 09.08.2007 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि अस्सी गंगा-प्रथम, द्वितीय, जुम्मागाड़ एवं दुनाव जल विद्युत परियोजना के निर्माण हेतु अंशपूँजी के रूप में रु० 6.00 करोड़ (रु० छः करोड़ मात्र) की धनराशि को व्यय करने के लिये आपके निवर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल महोदय निम्न प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- उक्त स्वीकृत धनराशि का आवश्यकतानुसार किरतों में उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम के निदेशक, पित्त, द्वारा तैयार बिलों पर जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर के उपरान्त ही कार्यालय से आहरण किया जायेगा।
- 2- स्वीकृत की जा रही धनराशि का अन्तर् विचलन न किया जाय। साथ ही स्वीकृति के सापेक्ष कोई धनराशि किसी भी कारण से दबती है तो उसे तत्काल शासन को वापस कर दिया जायेगा।
- 3- स्वीकृत की जा रही इस धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र दिनांक 31.03.2008 तक एवं भौतिक एवं वित्तीय प्रगति का विवरण संलग्न कर प्रस्ताव शासन को पश्चात्तम उपलब्ध कराया जायेगा।
- 4- स्वीकृत की जा रही धनराशि के सापेक्ष सम्बन्धित कार्यों को सम्पन्न करने तथा शुरुआत करने हेतु सभी वित्तीय नियमों की परिपालना सुनिश्चित की जायेगी।
- 5- भविष्य में ऋण/अंशपूँजी की स्वीकृति तभी दी जायेगी जब निगम इस सदृश लेखों का मिलान महालेखाकार से करा लेगे और उनसे प्रमाण पत्र लेकर शासन को उपलब्ध करायेगे।
- 6- स्वीकृत धनराशि का कार्यवार/मदवार विवरण शासन को दि० 31.3.2008 तक उपलब्ध करा दिया जायेगा।
- 7- यदि भारत सरकार से उक्त परियोजना के निर्माण हेतु कोई धनराशि सहायता के रूप में प्राप्त होती है तो तत्समय शासन को अवगत कराया जायेगा।
- 8- धनराशि का आहरण तभी किया जायेगा जब इस निमित्त किये जाने वाले व्यय के विस्तृत प्राक्कलन गठित कर सक्षम स्तर से प्रशासनिक, वित्तीय एवं तकनीकी स्वीकृति प्राप्त कर ली जाय।
- 9- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय बालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्यय के अनुदान संख्या 21 के



लेखाशीर्षक 4801-विजली परियोजनाओं पर पूंजीगत परियोजना-01-जल विद्युत उत्पादन-आयोजनागत-190-सारकारी क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य उपक्रमों में निवेश-06-जल विद्युत परियोजनाओं हेतु यूजेसीएनएल में निवेश-00-30-निवेश/ऋण के नामें डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 424/XXVII(2)/2007, दिनांक 18 सितम्बर 2007 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

/

(सी० भास्कर)  
अपर सचिव

संख्या: 1246  
11(2)/2007-04(1)/99/07, तदिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- जिलाधिकारी, देहरादून।
- 3- त्रिषट् कौषाधिकारी, देहरादून।
- 4- सचिव, मुख्य मंत्री को मा० मुख्य मंत्री जी के संज्ञान में लाने हेतु।
- 5- निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड।
- 6- अपर सचिव, पित्त, बजट अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- राज्य योजना आयोग, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 8- नियोजन विभाग,
- 9- वित्त अनुभाग-2,
- ✓ 10- प्रभारी, एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 11- ऊर्जा सेल।
- 12- गार्ड फाईल।

P

(सी० भास्कर)  
अपर सचिव

ABU/

2009.03.02 Per